News item/letter/article/editorial published on Jun - 28.6.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

...उधर उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में शनिवार को भारी बारिश के बाद इंसानों को बचाने के लिए इंसानों ने अपनी जान जोखिम में डाल दी। मूसलाधार बारिश में मार्ग क्षतिग्रस्त होने से केदारनाथ की पैदल यात्रा 30 जून तक रोक दी गई है। • प्रेट्र › ब्योरा पेज 12

शारदा उफनाई, गांवों में घुसा पानी

हि 28-6-15

पलियाकलां-खीरी | हि. ब्यू.

कहर

- उफनाई शारदा ने नगला रोड को लिया चपेट में, घिरे ग्रामीण
- शनिवार को शारदा खतरे के निशान से 108 सेमी ऊपर

बनबसा से छोड़े गए पानी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। उफनाई शारदा नदी के पानी ने कई गांवों में दस्तक देते हुए अपनी चपेट में ले लिया है। नदी खतरे के निशान से 108 सेमी ऊपर बह रही है। नदी का पानी गांवों मे घुस चुका है। चीनी मिल के सामने से नगला जाने वाले रोड को बाढ़ ने पूरी तरह से अपनी चपेट मे ले लिया है।

इतना ही नहीं कुछ ग्रामीणों के घरों में बाढ़ का पानी घुस जाने से वह सड़क पर आ गये हैं। बाढ़ का पानी आ जाने से कई गांवों को जाने वाले संपर्क मार्ग भी बन्द हो गए हैं। किसानों के खेतों मे खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। लगातार दो दिनों तक हुई बरसात और बनबसा से छोड़े गए पानी के बाद उफनाई शारदा नदी ने क्षेत्र मे तांडव मचाना शुरू कर दिया गया। शुक्रवार रात को शारदा नदी के पानी ने कई गांवों में अपनी दस्तक दी। गांवों में घुसे बाढ़ के पानी को देख ग्रामीण खौफजदा हो उठे। बाढ़ का पानी रोड पर चलने के कारण कई गांवों के ग्रामीणों का सम्पर्क एक से दूसरे गांव से कट गया है। शुक्रवार की रात शारदा नदी ने विकराल रूप धारण करते हुए कई गांवों को अपनी चपेट में ले लिया।

बाढ़ के पानी ने नगला, मरौचा, खैराना, अजाद नगर, बर्बाद नगर, खालेपुरवा, चौरी, कुंवरपुरकलां, दुबहा, नयापुरवा, विश्नूपुर फार्म, चौरीखुर्द, चौरीकलां, लियाकतपुरवा, खैरा, गोनहा, बल्लीपुर सहित तमाम गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया। उफनाई शारदा नदी ने क्षेत्र के कई गांवों में पहुंच अपनी दस्तक दी। बाढ़ का पानी जब घुसा, जब वह अपने परिवार के साथ घर में सो रही थी, तभी बाढ़ के पानी ने उसके घर को चारों ओर से घेर लिया।

News item/letter/article/editorial published on June - 28.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi) ✓	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

28-6-15

देवभूमि पर फिर आफत

देहरादून, (सुनील तलवाड़/ब्यूरो): मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा बारिश से अभी तक की क्षति से 50 करोड़ के लगभग का आकलन किया गया है। राज्य के यात्रामार्ग पर पड़ने वाले पुल जो अप्रत्याशित वर्षा के चलते बह गये हैं, उनको ठीक कर पुन: यातायात के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा केदारनाथ के रास्ते मे सोनप्रयाग के पास टूटे पुल को जल्द ही ठीक कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारी बारिश से अब तक करीब 6 पुल टूटे हैं। इस बारिश से अभी तक को क्षति 50 करोड़ के लगभग हुई है। उन्होंने बताया भारी बारिश के चलते हर स्थिति से निपटने को बड़े अधिकारियों की टीम बनाई गई है।

उन्होंने कहा जोशीमठ और गोविन्द घाट इलाके में वर्षा से भारी नुक्सान हुआ है। लेकिन वहां किसी भी तरह से जानमाल की क्षति नहीं हुई है। हेमकुण्ड व घंघरिया से यात्रियो को सकुशल व सुरक्षित जोशीमठ लाया गया है।

उन्होंने बताया हेमकुण्ड मार्ग पर पुलना के आगे घघरिया में तीन पुल टूट चुके हैं,वहां आर्मी और आईटीबीपी और राज्य सरकार के कर्मचारियों सहित 60 लोग पुल बनाने में लगे हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए 11 हैलीकाप्टर लगाये गये हैं।

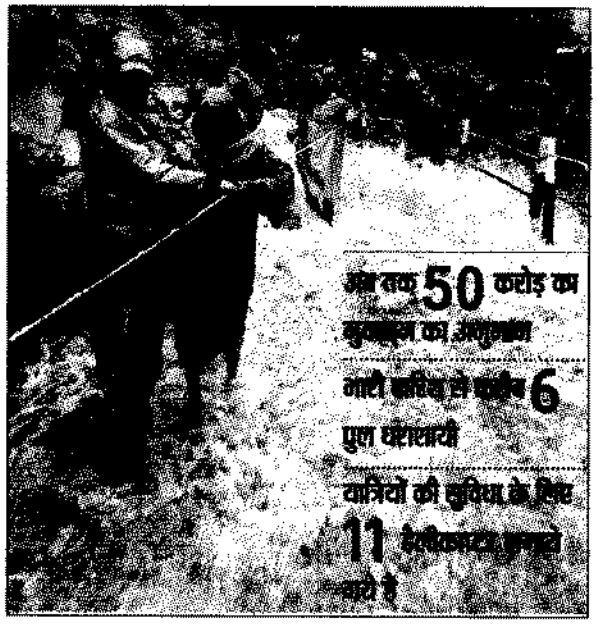

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश के चलते पानी की तेज धारा में फंसे तीर्थयात्रियों को बाहर-निकालते रेस्क्यू टीम के जवान। (छाया: पंजाब केसरी)

बचाव कार्य जारी : प्रदेश में भारी बरसात के कारण सडकों व पुलों के बहने से बाधित हुई चारधाम यात्रा खासकर केदारघाटी व हेमकुंड में विभिन्न स्थानों पर रुके यात्रियों को पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र/ पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ संजय गुंज्याल द्वारा स्वयं पहुंच कर अपने पर्यवेक्षण लगातार राहत एवं बचाव कार्य जारी कर गोविंदघाट/ लामबगड़/ घाघारिया आदि विभिन्न स्थानों पर फंसे यात्रियों को पैदल मार्ग से व हैलीकाप्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पंहुचाया गया है। अब तक लगभग 800 सौ से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया गया है। इसके आलावा जिन मार्गों में क्षतिग्रस्त हुए पुलों की मरम्मत एवं वैकल्पिक व्यवस्था स्थानीय पुलिस वे एसडीआरएफ द्वारा को जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र/पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ द्वारा बताया गया कि चार-धाम यात्रायात मार्गों पर में करीब छ: से अधिक एसडीआरएफ के जवान सभी आपदा उपकरणों से लैस तैनात किये गये है।

News item/letter/article/editorial published on June - 28.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

मानसून एक्सप्रेस } राज्य के अन्य बांधों में भी पानी की आमद बढ़ी

बांधों में चार गुना बढ़ा पानी

गांधीनगर @ पत्रिका -28-6-15
patrika.com/city

प्रदेश में बुधवार को एक दिन की भारी वर्षा से राज्य के बांधों में पानी की आमद बढ़ी है। वहीं सौराष्ट्र मे भीषण वर्षा ने जहां एक ओर जन जीवन को तबाह कर दिया। वहीं सप्ताह पहले पेंदे तक खाली हो गए क्षेत्र के अधिकांश बांध शुक्रवार तक अपनी जलसंग्रहण क्षमता के आधे के करीब भर गए हैं।

कच्छ के बांध सूखे

जानकारी के अनुसार सूखे प्रदेश में सुमार गुजरात में 202 प्रमुख बांध-जलाशय हैं। राज्य के उत्तर जोन में 15, मध्य में 17, दक्षिण में 13, कच्छ में 20 एवं सौराष्ट्र में स्थित 137 बांधों के पानी पर ही अधिकांशतः क्षेत्रीय लोगों का जनजीवन आधारित होता है, लेकिन मानसून मे विलंब होने से इस माह बांधों का पानी लगभग खाली हो गया था।

पिछले सप्ताह 20 जून तक की स्थिति के अनुसार राज्य के सभी 202 बांधों में औसतन 25.8 4 फीसदी पानी ही रह गया था। उनमें राज्य के सर्वाधिक सूखे क्षेत्र माने जाने वाले कच्छ के 20 बांधों में 4.98 फीसदी एवं सौराष्ट्र के 137 बांधों में औसतन 10.25

फीसदी पानी ही रह गया था। इस बीच पिछले सप्ताह सौराष्ट्र एवं दक्षिण गुजरात में अच्छी वर्षा की शुरुआत हुई, और बुधवार को सौराष्ट्र सहित पूरे प्रदेश में भारी वर्षा हुई। इससे सप्ताह बाद शुक्रवार की स्थिति के अनुसार प्रदेश के सभी बांध अपनी जलसंग्रहण क्षमता के 34,37 फीसदी तक भर गए हैं।

उसमें भी सर्वाधिक वर्षा वाले सौराष्ट्र क्षेत्र के बांध अपनी जलसंग्रहण क्षमता के 44.8 6 फीसदी तक भर गए हैं। हालांकि इस दौरान राज्य के रण प्रदेश कहे जाने वाले कच्छ क्षेत्र के सभी बांध अभी भी सूखे पड़े हैं। पिछले सप्ताह उनमें पेंदे में सिमटा 4.98 फीसदी पानी भी और कम होकर 4.8 9 फीसदी ही रह गया है। इससे कच्छ के बांधों में अब पेंदों में पानी के बजाए कीचड़ नजर आने लगा है। भारी वर्षा के बाद शुक्रवार तक बांधों में एक सप्ताह की पानी की ताजा तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार से है।

बांधों में पानी की स्थिति — **20 जून** / **26जून**

	संख्या	क्षमता,मिलियन क्यूबिक मीटर	पानी का प्रतिशत (20 जून)	पानी का प्रतिशत (26जून)
उत्तर	15	1922.26	14.46	20.56
मध्य	17	2351.47	57.17	59.37
दक्षिण	13	86 31.42	25.21	28 .70
कच्छ	20	332.02	4.98	4.8 9
सौराष्ट्र	137	2526 .59	10.25	44,8 6
कुल	202	1576 3.76	25.8 4	34.37

8 हजार से ज्यादा पशुओं के मौत की संभावना

राजकोट. अमरेली जिले में भारी बारिश के कारण आम लोगों पर तो आफत आई लेकिन साथ-साथ यह मुसीबत गिर के एशियाई शेरों के अलावा अन्य पशुओं पर भी पड़ी। बारिश के चलते जहां 70 जनों की मौत हो गई वहीं आठ हजार से ज्यादा पशुओं के मौत की संभावना जताई जा रही है। बाढ़ जैसे हालात के कारण पिछले दो दिनों में अमरेली व भावनगर जिले में अब तक 8 शेरों की मौत हो गई है वहीं शेत्रुंजी नदी में बाढ़ आने के कारण करीब 40 शेर अभी भी लापता बताए जाते हैं। शेरों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उधर करीब डेढ़ सौ नील गाय के शव भी पाए गए। इसके अलावा चीतल, साही व जंगली सुअर जैसे वन्य प्राणियों के भी

हताहत होने का पता चला है। शेरों की इस स्थिति पर राज्य सरकार ने काफी गंभीरता बरतते हुए इस मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में सर्वेक्षण के लिए वन विभाग की 100 टीमों को काम पर लगाया है। राज्य सरकार की ओर से पशुओं की मौत के लिए सहायता भी दी जाएगी। बताया जाता है कि 90 वर्षों में अमरेली जिले में इतनी भारी बारिश पहली बार हुई।

News item/letter/article/editorial published on June-28-06-2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

मछली प्रजनन व शोध केन्द्र परियोजना

रामगढ़ बांध सूखा तो डूबे करोड़ों

जयपुर @ पत्रिका
patrika.com/city

रामगढ़ बांध में पानी नहीं आने से 90 के दशक में बांध के नीचे मत्स्य पालन विकास अधिकरण के बनाए मछली प्रजनन व शोध केन्द्र परियोजना पर लगा करोड़ों रुपया भी डूब गया है। मछली पालन व्यवसाय को प्रोत्साहन देने के लिए अधिकरण ने केन्द्र सरकार से मिली राशि से इस परियोजना का निर्माण करवाया था। बांध में पानी की आवक बंद होने के बाद से मत्स्य विकास की महत्वाकांक्षी परियोजना ठप पड़ी है। इसके लिए बने कार्यालय और पक्के जलाशयों का कोई धणी धोरी नहीं है। बांध में पानी रहा तब तक मछली प्रजनन एवं मछली नस्ल से जुड़े शोध का काम होता रहा। पानी नहीं आने के मत्स्य विभाग ने परियोजना से पल्ला झाड़कर भगवान भरोसे छोड़ दिया।

सूखा पड़ा जलाशय

❝ आठ बड़े जलाशयों में पानी भरकर मछली पालन किया जा सकता है। बांध के साथ इसका भी ठेका देने से व्यवसाय भी बढ़ेगा और सरकार को आय होगी।

देवेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष
राजस्थान मत्स्य पालक विकास संगठन

❝ रामगढ़ बांध खुद सूखा पड़ा है। ऐसे में बिना पानी के मछली पालन कैसे हो सकता है।

धर्मसिंह, अतिरिक्त निदेशक,
मत्स्य पालन विभाग, जयपुर

एशियाड खेल प्रतियोगिता के बाद मत्स्य पालन विकास अधिकरण ने मछली पालन विकास के लिए इस राज्य स्तरीय परियोजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए थे। इसके तहत बांध से निकले पानी को भरने के लिए आठ बड़े जलाशयों का निर्माण करवाया। इनमें पानी लाने के लिए पक्की नहरें भी बनवाई गईं। सुरक्षा के लिए जालियां लगाई जो अब सार संभाल के बिना खुर्द बुर्द हो चुकी हैं। परियोजना के कार्यालय के दरवाजे और खिड़कियां टूट गईं। दारा सिंह मीणा ने बताया कि केन्द्र बंद होने के बाद से सूना पड़ा कार्यालय असामाजिक तत्वों की सैरगाह बन गया है।

जलदाय विभाग ने लगाए 190 नए कनिष्ठ अभियंता

जयपुर @ पत्रिका . जलदाय विभाग ने राज्य की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुधारने की कवायद के तहत सीधी भर्ती से चयनित हुए 190 कनिष्ठ अभियंताओं का पदस्थापन कर दिया है। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत नए कनिष्ठ अभियंताओं को ग्रामीण क्षेत्रों में रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति दी गई है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता (प्रशासन) अखिल कुमार जैन ने बताया कि नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंताओं में से 150 को ग्रामीण क्षेत्र में प्रोबेशन पर लगाया गया है। इसमें भी गांवों के खाली पड़े पद भरने को प्राथमिकता दी गई है। सभी कनिष्ठ अभियंताओं को बीस दिन के भीतर कार्यभार सम्भालने के निर्देश दिए गए है। जयपुर जिले में सर्वाधिक 16 कनिष्ठ अभियंताओं को नियुक्ति दी गई है। इसके अलावा अजमेर में 14, बूंदी, बीकानेर, बाड़मेर में 9-9, नागौर में 8, राजसमंद व जालोर में 7-7 व अलवर में छह कनिष्ठ अभियंता लगाए गए है।

पत्रिका – 28-6-15

News item/letter/article/editorial published on June 25.06.2015 in the

Hindustan Times ✓	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Flood-hit U'khand, Gujarat step up rescue ops

Prithviraj Singh & Mahesh Langa
letters@hindustantimes.com

DEHRADUN/AHMEDABAD: Rescue workers on Saturday reached out to hundreds of people stranded in the interiors of Gujarat while authorities in Uttarakhand airlifted more pilgrims to safety as floods eased in the two states hit hard by heavy monsoon rains.

Over 80 people have been killed in the floods in Gujarat, with most of the deaths reported from the worst-hit Amreli district in Saurashtra.

In Uttarakhand, the government pressed more choppers into service to airlift nearly 8,500 people from the Hindu shrine of Badrinath and the Sikh pilgrimage Hemkund Sahib, located in Chamoli district.

Officials said that around 500 pilgrims were airlifted from in and around Badrinath on Saturday. Efforts are on to bring in the other stranded people.

At least 12 private choppers were pressed into service after gushing flood waters swept away a part of the National Highway 58 on Thursday and landslides blocked stretches of roads on the Char Dham yatra route.

"Airlifting (of pilgrims) will continue till vehicular traffic is restored," said Santosh Badoni, joint secretary of the state disaster management department.

The government on Saturday said pilgrims will be allowed to proceed on the Char Dham yatra, barring the trip to Badrinath.

Personnel of the state disaster response force were working round-the-clock to restore at least six road bridges washed away by flood waters.

THE GOVERNMENT SAID PILGRIMS WILL BE ALLOWED TO PROCEED ON THE CHAR OHAM YATRA, BARRING THE TRIP TO BADRINATH

The governments of Andhra Pradesh and Telangana also initiated efforts to bring back over 100 pilgrims stranded in the flood-hit Himalayan state.

In Gujarat, the army and air force continued rescue and relief operations in the Saurashtra region, where thousands fled to safer areas after the rains left a trail of destruction — scores of houses damaged, and roads, railway tracks, bridges and electricity pylons destroyed.

Officials were providing food and water to the flood-affected people. They also said that improved weather is now allowing workers to restore power supply to some 200 villages in Amreli and Junagadh districts.

Defence ministry spokesman Sitanshu Kar said on his Twitter account that the Indian Air Force "carried out 23 sorties by 6 MI-17 V5 helicopter and dropped 5.87 tonnes of food packets".

The state government has already announced financial assistance of ₹4 lakh each for families of people killed in the natural disaster.

(With agency inputs)

News item/letter/article/editorial published on June 28.06.2019 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

PUTTING INDIA ON THE MAP

28 | TIC

LOSING GROUNDWATER

About 13 of the world's 37 biggest aquifers, including two in India, are being seriously depleted by irrigation and other uses, much faster than they can be recharged by rain or runoff. There were 21 major groundwater basins — in red, orange, and yellow — that lost water faster than they could be recharged between 2003 and 2013. Sixteen major aquifers (in blue) by contrast, gained water during that period.

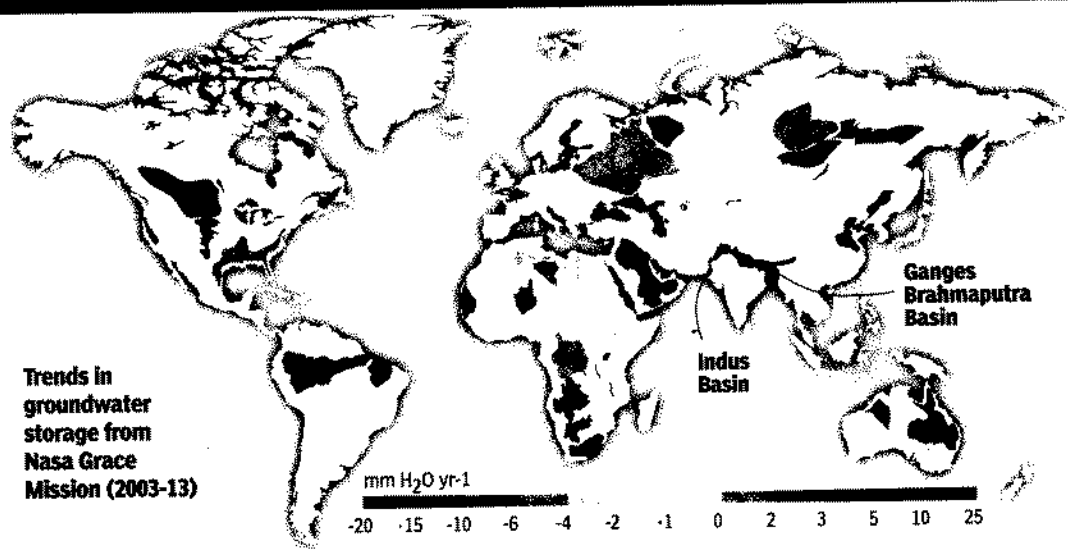

Trends in groundwater storage from Nasa Grace Mission (2003-13)

Covering L... YIS

News item/letter/article/editorial published on June - 28.6.2014 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

8 lions killed in Gujarat floods; over 30 big cats missing from Gir

FLEEING FLOOOS: A lioness takes her cub to a safer place after heavy rain caused flooding in the forests of Amreli district, Gujarat, on Saturday. PTI

MANAS DASGUPTA

AHMEDABAD, JUNE 27

The worst fear of the Gujarat forest department officials of a possible large-scale destruction of the Asiatic Lions in the heavy rain and floods in Amreli district seems to be coming true.

An official spokesman of the state forest department confirmed this evening the death of at least eight lions, including four lionesses and a female cub, in the floods. The carcasses of the eight animals were recovered from the banks of the flooded Shetrunji river in Bhavnagar district.

Officials believe that these animals were among the 40 odd big cats the department said were "missing" from the Krakach range of the Gir forest in Amreli, which experienced a record 400 mm rainfall in less than a day on Tuesday, causing havoc in the district.

The forest department has constituted seven teams to look for the "missing lions". The official spokesman said so far they had not been able to spot any of the big cats alive but hoped apart from the eight lions found dead, others were still safe.

The recovery of one lioness from a temple in Ingorala village in Lilliya taluka in Amreli has given rise to the hope that the forest department's efforts to lure the lions to the higher planes had paid off.

Besides the bodies of eight lions, the forest department has also recovered carcasses of some 1,000 other animals, including about 150 giant blue bulls, killed in the floods.

The forest department estimated that the total loss of wild animals in the floods in Amreli district alone would be about 8,000. The state government has declared an assistance of Rs 21 crore for the Saurashtra region.

News item/letter/article/editorial published on June 28.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Dam drowns out dissent

Chadong village in Manipur's Ukhrul district once used to be lush with paddy fields and thick vegetation. Then came the Mapithel dam project — and everything changed. The flow of Thoubal river has been blocked and its waters have submerged the hamlet, 35km from Imphal, drowning out its fields, roads and a large part of a bridge. But the villagers, mostly Tangkhul Nagas, have vowed not to abandon their homes till their demand is met: they want a resettlement programme mediated by an expert review committee. Till then, wooden canoes donated by an NGO and bamboo rafts will help them find their way around. Anti-dam and human rights activists have asked the state government to immediately stop dam construction.

Photos by Rustum Moirangthem

28/TEO

Covering L., YIE

News item/letter/article/editorial published on June 28.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.